रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

वीरांगना रानी दुर्गावती के जनहितैषी कार्यों से मिल रही सतत प्रेरणाः केन्द्रीय मंत्री मान. श्री कुलस्ते

विवि में रानी दुर्गावती को अर्पित किए श्रद्धासुमन, ऑनलाईन परिचर्चा का आयोजन

जबलपुर 24 जून। वीरांगना रानी दुर्गावती के जनहितैषी कार्यों से हमें सतत प्रेरणा मिल रही है। प्रजा के हित में महान गोंडवाना साम्राज्य में जो भी विकास कार्य हुए वे सराहनीय हैं। वर्तमान में विपरीत परिस्थितियों में भी माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना से लेकर विभिन्न जन हितैषी कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है। प्रजा हित में किए गए कार्य ही महान रानी को सच्ची श्रद्धांजलि हैं। उपरोक्त उद्‌गार माननीय श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, इस्पात राज्य मंत्री, भारत सरकार ने मुख्य आतिथि के रूप में रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाईन परिचर्चा के दौरान व्यक्त किए।

वीरांगना रानी दुर्गावती जी के बलिदान दिवस पर दिनांक 24 जून, 2020 को दोपहर 2.00 बजे से रादुविवि राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती की जीवनी एवं शौर्य गाथा' पर आधारित एक ऑनलाईन परिचर्चा की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती महिला सषक्तिकरण का रोल मॉडल हैं। प्रत्येक युवा को उनके जीवन दर्षन का अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने प्रजा के हित में ही षासक का हित वाले भाव को चरितार्थ किया। वीरांगना रानी दुर्गावती पर आधारित अंतर विषय षोधों को प्रोत्साहन मिलना आज की आवष्यकता है।

सुषासन की प्रतीक थीं रानी दुर्गावती–

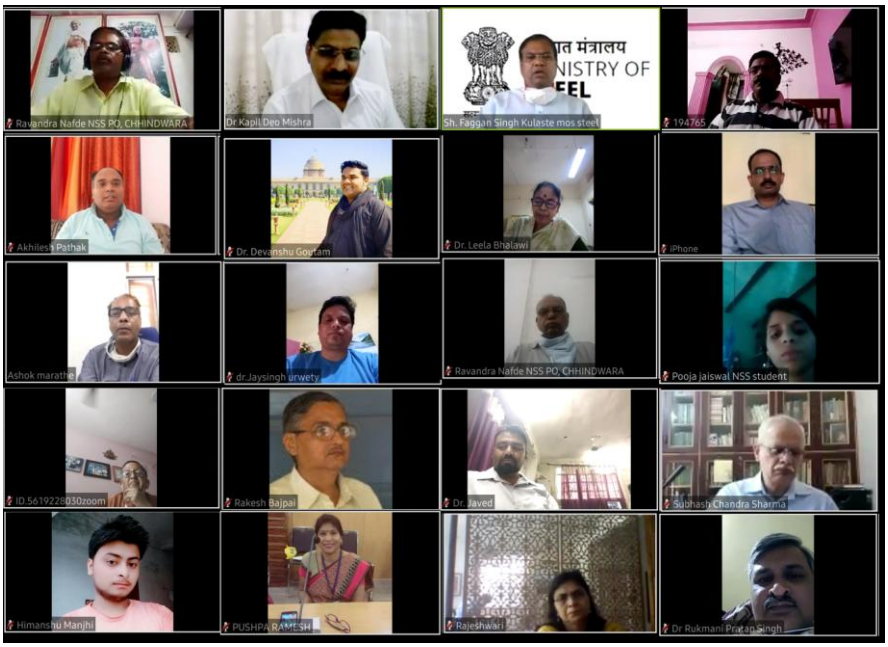

विवि एनएसएस द्वारा आयोजित ऑनलाईन परिचर्चा में सारस्वत अतिथि डॉ. लीला भलावी, अतिरिक्त संचालक, उच्च षिक्षा विभाग ने बताया कि वीरांगना रानी दुर्गावती सुषासन का प्रतीक थीं,। उनके षासनकाल में सामाजिक समरसता, पारस्परिक सद्भाव और जनकल्याण की भावना से किए गए कार्य देखने मिलते हैं। आरंभ में विवि के रानी दुर्गावती षोध संस्थान संयोजक प्रो. राजीव दुबे ने वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवन दर्षन से लेकर उनके साहसिक कार्यों का वर्णन किया। विवि इतिहास विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. सुभाष षर्मा ने वीरांगना रानी के कार्यक्षेत्र के विविध बिन्दुओं पर प्रकाष डालते हुए छात्रों के उत्थान एवं रानी दुर्गावती से प्रेरणा लेने का आव्हान किया। ऑनलाईन परिचर्चा का संचालन आयोजन संयोजक व एनएसएस समन्वयक प्रो. अषोक मराठे एवं आभार प्रदर्षन प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेष मिश्रा ने किया। आयोजन प्रबंधन में रादुविवि एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी मुक्त ईकाई डॉ. देवांषु गौतम व तकनीकी सहयोगी के रूप दीपेष मिश्रा, डॉ. अखिलेष पाठक का सक्रिय सहयोग रहा। इस अवसर पर डॉ. आरपी सिंह कटनी, डॉ. माधुरी गर्ग कटनी, डॉ. रविन्द्र नाफड़े छिंदवाड़ा, जेएस उर्वेती मण्डला, डॉ. मीना राय दमोह सहित विविध जिलों से एनएसएस अधिकारी, रादुविवि षिक्षक, विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

समाधि स्थल एवं विवि में वीरांगना रानी दुर्गावती को दी गई पुष्पांजलि–

सर्वप्रथम वीरांगना रानी दुर्गावती के समाधि स्थल नरईनाला में प्रातः 7.45 बजे माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, एनएसएस समन्वयक डॉ. अशोक मराठे, डॉ. विशाल बन्ने एवं सहायक कुलसचिव श्री अभयकांत मिश्रा ने पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात् विश्वविद्यालय में भी प्रातः 10.30 बजे अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में वीरांगना रानी दुर्गावती को पुष्पांजलि अर्पित की गई।